BECC-131

कला स्नातक कार्यक्रम
(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य 2020–21

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–131
व्यष्टि अथशास्त्र के सिद्धांत-I

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

बी.ई.सी.ई.–131
व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
सत्रीय कार्य
(2020–21)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-131, व्यष्टि अर्थशास्त्र-I** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा देने चाहिए। जुलाई 2020 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की **अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2021** है इसी प्रकार **जनवरी 2021** सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि **31 अक्टूबर, 2021** है। आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-131
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2020-21
पूर्णांक : 100

सत्रीय कार्य -1

इन विवरणात्मक वर्ग के प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक पश्न के लिए 20 अंक है। 20x 2=40

1. (क) कुल लागत (TC), कुल अचल लागत (TFC) तथा कुल परिवर्ती लागत (TVC) वक्रों के बीच संबंध स्पष्टतः दर्शाए। इन वक्रों की आकृतियों पर भी टिप्पणी करें।

(ख) एक कुल लागत फलन है :

$$TC(Q) = Q^2 + 10Q + 100$$

जहाँ Q उत्पादित मात्रा है।

(i) परिवर्ती लागत (VC), अचल लागत, औसत लागत, औसत परिवर्ती लागत और औसत अचल लागत के पदबंधों की व्युत्पत्ति करें। **(5)**

(ii) उत्पादन Q के किस स्पर पर औसत लागत न्यूनतम होगी? वह न्यूनतम औसत लागत भी आंकलित करें। **(5)**

अथवा

(क) दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक लागत फलनों में भेद स्पष्ट करें। **(5)**

(ख) (i) अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक औसत लागत वक्रों में संबंध समझाइए। **(5)**

(ii) दीर्घकालिक औसत लागत वक्र को एक परिवेष्टक वक्र क्यों कहा जाता है? **(5)**

(ii) एक उपयुक्त रेखाचित्र द्वारा दीर्घकालिक सीमांत लागत की व्युत्पत्ति समझाइए। **(5)**

2. (क) सामान्य वस्तु के संदर्भ में कीमत में एक परिवर्तन के आय और प्रतिस्थापन प्रभावों पर चर्चा करें। **(10)**

(ख) रेखाचित्र-1 में किसी वस्तु के माँग वक्र AD पर विचार करें। अंतर AB, BC तथा CF क्रमशः x, y तथा z इकाइयों के समान है। बिंदुओं A, B, C तथा D पर x, y एवं z के मानों में वस्तु की कीमत लोच के क्या मान होंगे? **(10)**

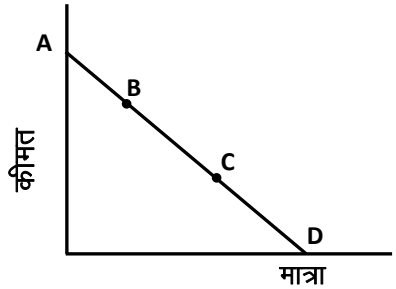

चित्र 1

अथवा

(क) एक सामान्य, निकृष्ट तथा गिफेन पदार्थ के बीच आय की लोच के अनुसार तुलनाएं करें। **(10)**

(ख) रेखाचित्र-1 पर विचार करें, जहाँ DD तथा D'D' दो बाज़ारों में किसी वस्तु के पृथक्-पृथक् माँग वक्र है। इनके बीच माँग की कीमत लोच के आधार पर तुलनाएं करें। **(10)**

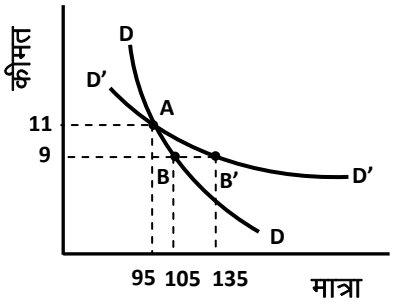

चित्र 2

सत्रीय कार्य 2

इन मध्यम उत्तर प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक हैं। 3x10=30

3. न्यूनतम मज़दूरी कीमत की उच्चतम सीमा है अथवा निम्नतम? मान लें कि सरकार एक न्यूनतम मज़दूरी नियम लागू करती है :

(क) एक रेखाचित्र द्वारा समझाएं कि न्यूनतम स्तर बाज़ार संतुलन मज़दूरी दर से अधिक निर्धारित करने का श्रम बाज़ार पर क्या प्रभाव होगा? **(5)**

(ख) यदि न्यूनतम मज़दूरी बाजार संतुलन दर से नीचे तय की जाती है तो बाज़ार पर क्या प्रभाव होगा? **(5)**

अथवा

(क) एक रेखाचित्र द्वारा समझाएं कि आपूर्ति की कीमत लोच अधिक होने पर इकाई कर का उपभोक्ता पर भार भी अधिक होगा। **(5)**

(ख) एक वस्तु के माँग और आपूर्ति फलन क्रमशः इस प्रकार है : $Q_D = 24 - 3P$ तथा $Q_S = 4 + 2P$ हैं जहाँ P, Q_D तथा Q_S क्रमशः कीमत और मांग तथा आपूर्ति फलन ज्ञात कर बाज़ार संतुलन कीमत एवं मात्रा का आंकलन करें। **(5)**

4. एक उपभोक्ता X तथा Y नामक दो वस्तुओं का उपभोग करता है जिनकी कीमतें क्रमशः P_X और P_Y है। मान लें कि P_X घटकर P_X' हो जाता है। स्लटस्की की विधि का प्रयोग कर कीमत में इस गिरावट के प्रभाव का प्रतिस्थापन एवं आय प्रभावों में विभाजन करें। **(10)**

अथवा

उपभोक्ता संतुलन के संदर्भ में एक कोणिक समाधान क्या होता है? कुछ उदाहरणों द्वारा समझाएं कि उपभोक्ता के उपयोगिता अभीष्टीकरण में कोई कोणिक समाधान कहां एक अभीष्ट समाधान के रूप में उभर कर आता है? **(10)**

5. (क) एक रेखाचित्र द्वारा सीमांत लागत– सीमांत आगम विधि द्वारा उत्पादक के संतुलन की शर्तों की व्याख्या करें। (5)

(ख) किसी वस्तु के उत्पादन में दो संसाधनों का किसी स्थिर अनुपात में प्रयोग होता है। इस दशा में उस वस्तु के लिए समउत्पाद वक्रों का स्वरूप कैसा होगा? यदि एक साधन का प्रयोग स्थिर रखते हुए दूसरे का प्रयोग बढ़ाते जाएं तो MRTS के मान पर क्या प्रभाव होगा? (5)

अथवा

आदानों के सीमांत उत्पादन और उनके बीच सीमांत तकनीकी प्रतिस्थापन दर (MRTS) के बीच संबंध की व्याख्या करें। यदि एक ऊतल आकारीय समउत्पाद वक्र पर हम दाहिनी और अधोदिशा में चले तो MRTS पर क्या प्रभाव होगा? (5)

सत्रीय कार्य–3

प्रत्येक लघु वर्ग के प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक हैं। **5x 6=30**

6. उत्पादन प्रक्रिया में किसी परिवर्ती आदान के प्रतिफल ह्रासमान क्यों हो जाते हैं?

7. माँग की गई तथा आपूर्ति की गई मात्राओं में भेद करें।

8. ''दुर्लभता ही सभी आर्थिक समस्याओं की जननी है''। व्याख्या करें।

9. ह्रासमान प्रतिफल का नियम अल्पकाल में लागू होता है। क्या आप सहमत हैं?

10. पैमाने की आंतरिक एवं बाह्य मितव्ययताओं में भेद करें।